# हम कब से राह निहारे क्यो ना आये बाबोसा हमारे लिरिक्स

हम कब से राह निहारे,
क्यो ना आये बाबोसा हमारे,
एक पल भी चेन न आवे,
बिन दर्शन के तुम्हारे,
हो..पल पल , पल पल.
याद तेरी तड़पावे रे,
अब आजा चूरू के राजा,
भक्त बुलावे है रे।bd।

तर्ज – तेरी अँखिया को यो काजल।

---

अँखिया तरस रही है,
तेरा करने को दीदार,
ये दिल की हर धड़कन भी,
तुमको रही पुकार,
मेरी जिंदगी का अब ये,
पहलू बदल न जाये,
कही तुम्हारे आते आते,
मेरा दम निकल न जाये,
हो..पल पल , पल पल.
याद तेरी तड़पावे रे,
अब आजा चूरू के राजा,
भक्त बुलावे है रे।bd।

---

कही टूट न जाये बाबा,
तेरे भक्तो की ये आस,
दौड़े आयेंगे बाबोसा,
है पक्का मुझे विस्वास,
दिल से बुलाओ 'दिलबर',
आयेगे वो जरूर,
अपने भक्तो की विनती,
नही ठुकरायेंगे हुजूर,
हो..पल पल , पल पल.
याद तेरी तड़पावे रे,
अब आजा चूरू के राजा,
भक्त बुलावे है रे।bd।

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हम कब से राह निहारे,
क्यो ना आये बाबोसा हमारे,
एक पल भी चेन न आवे,
बिन दर्शन के तुम्हारे,
हो..पल पल , पल पल.
याद तेरी तड़पावे रे,
अब आजा चूरू के राजा,
भक्त बुलावे है रे।bd।

लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
9907023365

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com